गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

CBCS [चयन आधारित क्रेडिट पध्दति]

स्नातकोत्तर कला शाखा

M.A. (HINDI)

HINDI COURSE STRUCTURE 2016 – 17

SEMESTER I to II

हिंदी साहित्य

हिंदी अध्ययन मंडल

हिंदी पाठ्यक्रम समिति

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

Gondwana University,Gadchiroli

M.A.HINDI SCHEME

Examination Scheme (CBCS)

Subject	Course Scheme			No.of Credits	Examination Scheme					
					Maximum Marks			Minimum Passing Marks		
	L	T/Others	P		ESE	IA	Total	ESE	IA	Total
Semister I										
CORE I –हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और भक्तिकाल)	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
CORE I I–काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन (भारतीय काव्यशास्त्र)	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
ELECTIVE course III (वैकल्पिक स्तर) (क)आधुनिक हिंदी काव्य (ख)आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य(उपन्यास)	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
ELECTIVE course IV (वैकल्पिक स्तर) ;कद्ध व्यवहारिक हिंदी पत्रकारिता और अनुवाद (ख) प्रयोजनमूलक हिंदी (ग) हिंदी साहित्य की अन्य गद्य विधाएँ	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
Semister II										
CORE I – हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल और आधुनिककाल)	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
CORE I I– –काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन (पाश्चात्य काव्यशास्त्र)	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
ELECTIVE course III (वैकल्पिक स्तर) (क) आधुनिक हिंदी काव्य (ख) आधुनिक हिंदी गद्यसाहित्य(उपन्यास)	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
ELECTIVE course IV (वैकल्पिक स्तर) (क) अनुसंधान प्रक्रिया और प्रविधि (ख) हिंदी दलित विमर्श और साहित्य (ग) हिंदी साहित्य की अन्य गद्यविधाएं (स्थानीय साहित्य)	4	2	-	(4+1) 5	80		100	32	08	**40**
Semister III										

CORE I – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
CORE I I– भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
ELECTIVE course III (वैकल्पिक स्तर) (क) आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (नाटक और एकांकी) (ख) विशेष अध्ययन (मुंशी प्रेमचंद)	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
ELECTIVE course IV (वैकल्पिक स्तर)										
(क) स्त्री विमर्श (ख) आदिवासी साहित्य (ग) हिंदी का लोक साहित्य	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
Semister IV										
CORE I – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
CORE I I– भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
ELECTIVE course III (वैकल्पिक स्तर) (क) आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (संस्मरण और रेखाचित्र) (ख) विशेष अध्ययन- हजारी प्रसाद दिवेदी	4	2	-	(4+1) 5	80	20	100	32	08	**40**
ELECTIVE course IV (वैकल्पिक स्तर) (क) आधुनिक हिंदी आलोचना (ख) हिंदी साहित्य और सिनेमा (ग) भाषिक सम्प्रेषण: स्वरुप और सिद्धांत	4	2	-	(4+1) 5	80		100	32	08	**40**
Total				**80**					**1600**	

<u>Note :-</u>L- Lecture T- Tutorial P- Practical ESE- End Semester Examination IA- Internal Assessment
<u>(Two Core Paper And Two Elective Paper)</u>

Others- Two hours per week of assignment/presentation of one credit for each paper is prescribed in each semester

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

एम.ए.हिंदी (**CBCS**)

Question Paper Pattern

सूचनाएँ:

1. एम.ए. हिंदी प्रथम सत्र से चतुर्थ सत्र में **20** अंको का अंतर्गत मूल्यांकन किया जायेगा और **80** अंकों की अंतिम परीक्षा होगी.

विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्नपत्र में अंतर्गत परीक्षा में कम से कम **8** अंक और अंतिम परीक्षा में **32** अंक कुल मिलाकर **40** अंक उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य है.अर्थात **100** में से **40** अंक बाद में उनका रूपांतरण श्रेणी पद्धति में किया जाएगा.

2. प्रत्येक सत्र में चार अंतर्गत परीक्षा ली जायेगी वह एक -एक इकाई के अध्यापन के बाद होनी चाहिए. यह परीक्षाए **5+5+5+5** अंकों की ली जाएगी .

प्रश्नपत्र का स्वरुप

1.निर्धारित पाठ्यविषय के चार खंड क ,ख,ग, घ होंगे.

2. प्रश्न क्रमांक 1 खंड क और खंड ख से दो-दो प्रश्न पूछे जाएंगे. जिनमे से प्रत्येक खंड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा .प्रत्येक प्रश्न पर 10 अंक निर्धारित हैं. 10X= 20

3. प्रश्न क्रमांक 2 खंड ग और खंड घ से दो-दो प्रश्न पूछे जाएंगे. जिनमे से प्रत्येक खंड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा .प्रत्येक प्रश्न पर 10 अंक निर्धारित हैं. 10X= 20

4.प्रश्न क्रमांक 3 में सात प्रश्न पूछे जाएंगे.जिनमे से पांच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है.प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक निर्धारित हैं. 5X= 20

5.प्रश्न क्रमांक 4 में पांच अति लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे ,प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं. 5X= 10

6.प्रश्न क्रमांक 5 में दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे . प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है. 10X= 10

7. अंतर्गत मुल्यांकन . 20

कुल अंक 100

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

पाठ्यक्रम की रुपरेखा

शैक्षणिक वर्ष : जून 2016 से

एम.ए.(हिंदी)

(80 : 20 पैटर्न)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की रचना विश्व विद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली की 'मॉडल पाठ्यचर्या' के अनुसार की गई है।

एम.ए.हिंदी प्रथम सत्र और द्विवितीय सत्र के इस पाठ्यक्रम का अध्ययन व अध्यापन जून २०१६ से आरंभ होगा। एम.ए.हिंदी तृतीय सत्र और चतुर्थ सत्र के इस पाठ्यक्रम का अध्ययन व अध्यापन जून २०१७ से आरंभ होगा।

संपूर्ण पाठ्यक्रम का विभाजन चार सत्रों (दो वर्ष) के लिए होगा। विद्यार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रथम सत्र के लिए प्रश्नपत्र १ से ४ तक का और द्वितीय सत्र के लिए प्रश्नपत्र ५ ते ८ तक तृतीय सत्र के लिए प्रश्नपत्र ९ से १२ तक और चतुर्थ सत्र के लिए प्रश्नपत्र १३ से १६ का अध्ययन करना होगा।

प्रश्न पत्र ३,४,७,८,११,१२,१५,१६ वैकल्पिक स्तर के रहेंगे। इसमें से प्रश्नपत्र ३, ७ ,११ और प्रश्नपत्र १५ के अंतर्गत २—२ विकल्प रखे गए हैं। और प्रश्नपत्र ४, ८, १२, और १६ के अंतर्गत ३—३ विकल्प रखें गये है। **चारों सत्रों के अंतर्गत प्रश्नपत्र १—२, ५—६, ९—१० और १३—१४ का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा।**

किसी विशेष विषय में विशेषता प्राप्त करने के लिए इसमें से प्रश्नपत्र ३, ७ ,११ और प्रश्नपत्र १५ के अंतर्गत २—२ विकल्प रखे गए हैं। और प्रश्नपत्र ४, ८, १२, और १६ के अंतर्गत ३—३ विकल्प रखें गये है। **विद्यार्थी अपने अध्ययन**

केन्द्र/महाविद्यालय में पढ़ाई जानेवाले विकल्पों में से किसी भी विकल्प का अध्ययन कर सकता है।

एम.ए.(हिंदी) भाग : एक प्रथम सत्र

पाठ्यक्रम की रुपरेखा

सत्र : 2016 - 2017 से (80 : 20 पैटर्न)

कुल : ६० तासिकाएँ (प्रत्येक इकाई के लिए १५ घंटे)

चारों प्रश्नपत्रों के लिए प्रथम सत्र में चार अंतर्गत परीक्षाएँ होगी। (5+5+5+5)		**20 अंक**
सत्रांत परिक्षा (पांच प्रश्न)		**80 अंक**
	कुल	**100 अंक**

सूचना :

१. एम.ए.(हिंदी) प्रथम सत्र — के प्रश्न पत्र में २० अंको का अन्तर्गत मूल्यांकन किया जायेगा और ८० अंको की अंतिम परीक्षा होगी।
(विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में अंतर्गत परीक्षा में कम से कम ०८ अंक और अंतिम परीक्षा में कम से कम ३२ अंक कुल मिलाकर ३५ अंक उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य है। अर्थात १०० में से ३५ अंक बाद में उनका रुपांतरण श्रेणी पध्दति में होगा।

२. इस सत्र में चार अंतर्गत परीक्षाएँ ली जायेगी वह एक—एक इकाई के अध्यापन के बाद होनी चाहिए। यह परीक्षाएँ 5+5+5+5 अंको की ली जायेगी। उसके लिए निम्न परीक्षा पध्दतियों में से किन्ही चार के **(विभाग प्रमुख एवं विषय शिक्षक के चयन के अनुसार)** आधार पर मूल्यांकन किया जाय :—

अ.क्र	परीक्षा	विषय
१	स्वाध्याय ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
२	मौखिक परीक्षा ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
३	प्रतियोगिता/स्पर्धा परीक्षा ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
४	विषय/संगोष्ठी/सेमिनार प्रस्तुतिकरण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रस्तुतिकरण लिया जाना
५	लघु प्रकल्प/ अनुसंधान कार्य / प्रोजेक्ट ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर
६	लिखित परीक्षा ५ अंको के लिए	चारों इकाईयों पर
७	पुस्तक परीक्षण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई के विषय पर
८	साहित्यिक पत्रिका/पुस्तक आकलन	किसी एक इकाई पर

	रस ग्रहण ५ अंको के लिए	
९	फिल्ड वर्क / अध्ययन यात्रा	किसी एक इकाई पर

एम.ए.(हिंदी) भाग : एक
पाठ्यक्रम की रुपरेखा
सत्र : 2016 - 2017 से (80 : 20 पैटर्न)
प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र १ :– हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल और भक्तिकाल)
(१०५० से १३७५ तक)

प्रश्नपत्र २ :– काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन
(भारतीय काव्यशास्त्र)

(प्रश्नपत्र १ व २ : कोर कोर्स)

प्रश्नपत्र ३ :– (क) आधुनिक हिंदी काव्य
(ख) आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (उपन्यास)

प्रश्नपत्र ४ :– (क) व्यावाहारिक हिंदी पत्रकारिता और अनुवाद
(ख) प्रयोजनमूलक हिंदी
(ग) हिंदी साहित्य की अन्य विधाएँ

(प्रश्नपत्र ३ व ४ : वैकल्पिक)

एम.ए.(हिंदी) भाग : एक द्वितीय सत्र
पाठ्यक्रम की रुपरेखा
सत्र : 2016 - 2017 से (80 : 20 पैटर्न)

कुल : ६० तासिकाएँ (प्रत्येक इकाई के लिए १५ घंटे)

चारों प्रश्नपत्रों के लिए प्रथम सत्र में चार अंतर्गत परीक्षाएँ होगी। (5+5+5+5)	**20 अंक**
सत्रांत परिक्षा (पांच प्रश्न)	**80 अंक**
कुल	**100 अंक**

सूचना :

१. एम.ए.(हिंदी) द्वितीय सत्र — के प्रश्न पत्र में २० अंको का अन्तर्गत मूल्यांकन किया जायेगा और ८० अंको की अंतिम परीक्षा होगी।
(विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में अंर्तगत परीक्षा में कम से कम ०८ अंक और अंतिम परीक्षा में कम से कम ३२ अंक कुल मिलाकर ३५ अंक उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य है। अर्थात १०० में से ३५ अंक बाद में उनका रुपांतरण श्रेणी पध्दति में होगा।

२. इस सत्र में चार अंर्तगत परीक्षाएँ ली जायेगी वह एक—एक इकाई के अध्यापन के बाद होनी चाहिए। यह परीक्षाएँ 5+5+5+5 अंको की ली जायेगी। उसके लिए निम्न परीक्षा पध्दतियों में से किन्ही चार के **(विभाग प्रमुख एवं विषय शिक्षक के चयन के अनुसार)** आधार पर मूल्यांकन किया जाय :—

अ.क्र	परीक्षा	विषय
१	स्वाध्याय ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
२	मौखिक परीक्षा ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
३	प्रतियोगिता/स्पर्धा परीक्षा ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
४	विषय/संगोष्ठी/सेमिनार प्रस्तुतिकरण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रस्तुतिकरण लिया जाना
५	लघु प्रकल्प/ अनुसंधान कार्य / प्रोजेक्ट ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर
६	लिखित परीक्षा ५ अंको के लिए	चारों इकाईयों पर
७	पुस्तक परीक्षण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई के विषय पर

८	साहित्यिक पत्रिका/पुस्तक आकलन रस ग्रहण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर
९	फिल्ड वर्क / अध्ययन यात्रा	किसी एक इकाई पर

एम.ए.(हिंदी) भाग : एक
पाठ्य

क्रम की रुपरेखा
सत्र : 2016 - 2017 से (80 : 20 पैटर्न)
द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र ५ :—	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल और आधुनिक काल) (१३५० से अबतक)	कोर कोर्स
प्रश्नपत्र ६ :—	काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन (पाश्चात्य काव्यशास्त्र)	कोर कोर्स
प्रश्नपत्र ७ :—	(क) आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (कहानी) (ख) आधुनिक हिंदी काव्य	वैकल्पिक
प्रश्नपत्र ८ :—	(क) अनुसंधान प्रक्रिया और प्रविधि (ख) हिंदी दलित विमर्श और साहित्य (ग) हिंदी साहित्य की अन्य विधाएँ (स्थानिय साहित्य)	वैकल्पिक

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र
प्रश्न पत्र १. कोर कोर्स
हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल से भक्तिकाल तक)
(१०५० से १३७५ तक)

उद्देश्य :—

१) युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
२) आदिकालीन और भक्तिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना।
३) जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।
४) युगीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) परिचर्चा।
५) अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम
आदिकाल

खण्ड (क)

१) आदिकाल का प्रारंभ :— विविध आचार्य की मान्यताएँ
२) आदिकाल के नामकरण के विविध आधार और विविध नाम — चारण काल, सिध्दसामंत काल, बीजवपन काल तथा वीरगाथा काल
३) आदिकाल पृष्ठिभूमि/परिस्थितियॉं — सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक और अन्य तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव।

१) सिध्द साहित्य, नाथ साहित्य, और जैन साहित्य का परिचय।

खण्ड (ख)

२) रासो काव्य की परंपरा — रासो शब्द के विभिन्न अर्थ रासो के प्रकार — जैन रासो, धार्मिक रासो, वीर रासो,

३) आरंभिक ग्रंथ तथा लौकिक साहित्य।

४) कवि विद्यापति का साहित्यिक परिचय।

भक्तिकाल :

खण्ड (ग)

१) भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक — सांस्कृतिक कारण, वैष्णव भक्ति की सामाजिक — सांस्कृतिक पृष्ठिभूमि, आलवार संत, प्रमुख संप्रदाय और आचार्य, भक्तिआंदोलन का अखिल भारतीय स्वरुप और उसका अंत: प्रादेशिक वैशिष्ट्य।

२) भक्ति कालीन साहित्य की पृष्ठिभूमि — सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, तथा साहित्यिक।

हिंदी संत काव्य : संत का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण, संत कवि कबीर, नानक, रैदास, दादू, भारतीय धर्म साधना में संत कवियों का स्थान।

हिंदी सूफी काव्य : सूफी काव्य का वैचारिक आधार सूफी काव्य का स्वरुप और हिंदी के प्रमुख सूफी कवि।

खण्ड (घ)

१) सगुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएँ —
राम भक्ति विविध संप्रदाय, रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि।
हिंदी कृष्ण काव्य : विविध संप्रदाय, वल्लभ संप्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य, भ्रमरगीत परंपरा, गीति परंपरा और हिंदी कृष्ण काव्य — मीरा, रसखान

२) भक्तिकालीन साहित्य की सामाजिक उपादेयता — कबीर और तुलसीदास के संदर्भ में।

३) भक्तिकालीन नीति साहित्य का परिचय और रहीम।

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. निर्धारित पाठ्य विषय के चार खण्ड ‘क’, ‘ख’, ‘ग’, ‘घ’ होंगे।

२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड ‘क’,** एवं **खण्ड ‘ख’** से दो — दो प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ग',** एवं **खण्ड 'घ'** से दो – दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

५. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

६. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

७. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य	—	सम्पादक पुन्नीसिंह, कमलाप्रसाद राजेन्द्र शर्मा
२)	हिंदी साहित्य का सरल इतिहास	—	विश्वनाथ त्रिपाठी
३)	भाषा साहित्य और संस्कृति	—	विमलेश कान्ति वर्मा, मालती
४)	आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श	—	देवेन्द्र चौबे
५)	समकालीन भारतीय साहित्य	—	साहित्य अकादमी पत्रिका
६)	दलित आत्मकथाएं अनुभव से चिंतन	—	सुभाषचंद्र
७)	हिंदी साहित्य का इतिहास	—	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
८)	हिंदी साहित्य का आदिकाल	—	हजारी प्रसाद द्विवेदी
९)	हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	—	डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
१०)	हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	—	डॉ. रामविलास शर्मा
११)	हिंदी रीति साहित्य	—	डॉ. भगीरथ मिश्र
१२)	हिंदी साहित्य का इतिहास	—	डॉ. माधव सोनटक्के
१३)	आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका	—	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
१४)	हिंदी साहित्य का इतिहास	—	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
१५)	हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास	—	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
१६)	हिन्दी साहित्य की भूमिका	—	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

१७)	हिंदी साहित्य का इतिहास	—	डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
१८)	भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	—	डॉ. रामविलास शर्मा
१९)	भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	—	डॉ. रामविलास शर्मा
२०)	महावीरप्रसाद द्विवेदी और नवजागरण	—	डॉ. रामविलास शर्मा
२१)	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	—	डॉ. बच्चन सिंह
२२)	साहित्य और इतिहास दृष्टि	—	डॉ. मैनेजर पाण्डेय
२३)	हिन्दी साहित्य और संवेदना	—	रामस्वरुप चतुर्वेदी
२४)	साठोत्तरी हिन्दी कविता : परिवर्तित दिशाएँ	—	विजय कुमार
२५)	समकालीन कविता और कुलीनतावाद	—	अजय तिवारी
२६)	नई कविता का आत्मसंघर्ष	—	ग. मा. मुक्तिबोध
२७)	नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	—	ग. मा. मुक्तिबोध
२८)	हिंदी साहित्य का इतिहास	—	डॉ. नगेद्र
२९)	हिंदी साहित्य का इतिहास	—	डॉ. मातादीन

एम.ए.(हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्न पत्र २ : कोर कार्स
काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन
(भारतीय काव्यशास्त्र)

उद्देश्य :

१) छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
२) छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
३) छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिध्दातों का ज्ञान कराना।
४) साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधो से छात्रों को अवगत कराना।
५) छात्रों को साहित्यशास्त्र चिंतन से परिचित कराना।
५) छात्रों को भारतीय साहित्य शास्त्र के सिध्दातों में साम्य वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
६) छात्रों को साहित्य शास्त्रीय समीक्षा का महत्व अवगत कराना।
८) साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) पी.पी.टी/भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
५) अतिथि विशेषज्ञो के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ विषय :—

खण्ड (क)

१) संस्कृत काव्यशास्त्र :— काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
२) रस सिध्दान्त :— रस का स्वरुप, भरतमुनि का रस सूत्र, रस के अवयव (अंग) रस निष्पत्ति, संबंधी भदृलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक

तथा अभिनव गुप्त द्वारा की गयी व्याख्याओं का विवेचन, साधारणीकरण की अवधारणा।

खण्ड (ख)

१) अलंकार सिध्दात :— अलंकार शब्द की व्युपत्ति, परिभाषा अलंकार सिध्दात का स्वरुप, काव्य में अलंकारों का स्थान, अलंकारों का वर्गीकरण।

२) रीति सिध्दान्त :— रीति शब्द की व्युतपत्ति, रीति की परिभाषा, रीति संप्रदाय, रीति भेद, रीति और गुण, रीति और शैली।

खण्ड (ग)

१) ध्वनि सिध्दान्त :—ध्वनि सिध्दान्त की व्युतपत्ति, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि और शब्द शक्ति, ध्वनि के भेद — अभिधामूलक (संलक्ष्य क्रम व्यंग्य ध्वनि, असंलक्ष्य क्रम व्यंग्य ध्वनि) और लक्षणा मूला ध्वनि, ध्वनि के आधार पर काव्य का भेद, ध्वनि सिध्दात का महत्त्व।

खण्ड (घ)

१) वक्रोक्ति सिध्दान्त :— वक्रोक्ति की परिभाषा, वक्रोक्ति सिध्दान्त का स्वरुप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति का महत्व।

२) औचित्य सिध्दान्त :— औचित्य का स्वरुप, औचित्य की प्रमुख स्थापनाऍ, औचित्य के भेद, औचित्य का महत्त्व।

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाऍ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क',** एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'ग',** एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	रस मीमांसा	—	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
२)	भारतीय काव्य शास्त्र	—	डॉ. सत्यदेव चौधरी
३)	साहित्यलोचन	—	डॉ. श्याम सुंदरदास
४)	ध्वनि सिध्दांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य	—	डॉ. रॉय
५)	आलोचना और आलोचना	—	डॉ. बच्चन
६)	रस सिध्दांत स्वरुप और विश्लेषण	—	डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
७)	हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ	—	डॉ.रामेश्वरलाला खंडेलवाल
८)	रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	—	डॉ. रामविलास शर्मा
९)	काव्य तत्व विमर्श	—	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
१०)	समीक्षा शास्त्र के सिध्दांत	—	डा. श्यामसुंदर दास
११)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्म अध्ययन	—	डॉ. बच्चन सिंह
१२)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन	—	डॉ. सत्यदेव चौधरी एवं डॉ. शान्तिस्वरुप गुप्त
१३)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	डॉ. भगीरथ मिश्र
१४)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
१५)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	डॉ. निर्मला जैन
१६)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिध्दान्त	—	डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज
१७)	भारतीय काव्य शास्त्र	—	डॉ. विजयपाल सिंह
१८)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	डॉ. विजयपाल सिंह
१९)	संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्य शास्त्र	—	गोपीचंद नारंग
२०)	हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	—	डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय लोकभारतीय प्रकाशन
२१)	काव्य के रुप	—	गुलाबराय
२२)	भारतीय काव्य शास्त्र की परंपरी	—	डॉ. नगेन्द्र
२३)	काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन	—	डॉ. शैलेद्र कुमार शुक्ल

एम.ए.हिंदी प्रथम सत्र
प्रश्न पत्र ३ क (वैकल्पिक)
आधुनिक हिंदी काव्य

उद्देश्य :

१) विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
२) विद्यार्थियों को आधुनिककाल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरुप की जानकारी देना।
३) आधुनिक युग में इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम का परिचय देना।
४) विद्यार्थियों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरुप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।
५) द्रुतवाचन के अंतर्गत विद्यार्थियों को कवियों की काव्यगत विशेषताओं, रचनाओं के लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन कराना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) द्रक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विध्दानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

खण्ड (क)
१) जयशंकर प्रसाद — कामायनी (श्रध्दासर्ग)

२) हीरा डोम — अछूत की शिकायत

खण्ड (ख)
१) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'— सरोजस्मृति, कुकुरमुत्ता (रागविराग)
२) हरिवंशराय बच्चन — मधुशाला (१ से ३० तक)

खण्ड (ग)
१) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'— प्रियप्रवास (नवम सर्ग)
२) दुष्यंत कुमार — १. अब किसी को भी आती नहीं कोई दरार।
२. कैसे मंजर सामने आने लगे हैं।

खण्ड (घ)
१) द्रुतवाचन — १. सुमित्रानंदन पंत २. महादेवी वर्मा
३. भवानी प्रसाद मिश्र ४.मैथिलीशरण गुप्त
५.धुमिल ६.केदारनाथ

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु छः काव्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंतर्गत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	अज्ञेय का काव्य — एक मूल्यांकन	—	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
२)	अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या	—	रामस्वरुप चतुर्वेदी
३)	आधुनिक कविता की मुख्य प्रवृत्तियाॅ	—	डॉ. नगेन्द्र
४)	मुक्तिबोध ज्ञान और संवदेना	—	नंदकिशोर नवल
५)	मुक्तिबोध की काव्य चेतना और मूल्य संकल्प	—	डॉ. हुकूमचंद राजपाल
६)	प्रसाद का काव्य	—	डॉ. प्रेमशंकर
७)	कवि प्रसाद की काव्य साधना	—	रामनाथ सुमन
८)	निराला की साहित्य साधना	—	रामविलास शर्मा
९)	निराला काव्य में मानवीय चेतना	—	डॉ. रमेशदत्त मिश्र
१०)	क्रान्तिकारी कवि	—	निराला
११)	ग्रामगीता (हिन्दी) अनुवादक	—	प्रा. रघुनाथ कडवे
		—	संस्कार प्रकाशन, नागपुर
१२)	निराला और मुक्तिबोध	—	नंदकिशोर नवल
१३)	कामायनी : एक पुनर्विचार	—	ग. मा. मुक्तिबोध
१४)	कामायनी : इतिहास और रुपक	—	सुशीला भारती
१५)	मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब	—	चंचल चौहान
१६)	कामायनी के अध्ययन की समस्याएॅ	—	डॉ. नगेद्र

एम. ए. हिंदी प्रथम सत्र
प्रश्न पत्र ३ : ख (वैकल्पिक) :
आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य
(उपन्यास)

उद्देश्य :

१. छात्रों को उपन्यास विधा का तात्विक परिचय देना।
२. हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना।
३. हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
४. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त जीवन विषय दृष्टिकोण का मूल्यांकन करना।
५. उपन्यास विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
६. हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
७. छात्रों में उपन्यास साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकान की क्षमता वढाना।
८. उपन्यास विधा की ओर सर्जक, समीक्षा, अनुवाद और शोध की दृष्टि से छात्रों को प्रेरित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य साधनों / माध्यमों का प्रयोग।
४) विशेषज्ञों के व्याख्यान।
५) पी. पी. टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
६) अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

अध्ययन के लिए उपन्यास / पाठ्यक्रम :

खण्ड (क)

१) चित्रलेखा — भगवतीचरण वर्मा
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.,१ वी नेताजी सुभाषमार्ग,

दरियागंज, नई दिल्ली

खण्ड (ख) — २) गोदान — प्रेमचंद्र
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.,१ वी नेताजी सुभाषमार्ग,
दरियागंज, नई दिल्ली

खण्ड (ग) — ३) मैला ऑचल — फणिश्वरनाथ रेणू
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.,१ वी नेताजी सुभाषमार्ग,
दरियागंज, नई दिल्ली

खण्ड (घ) — ४) ऑगन में एक वृक्ष — दुष्यंत कुमार
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.,१ वी नेताजी सुभाषमार्ग,
दरियागंज, नई दिल्ली

अध्ययनार्थ विषय / पाठ्यक्रम

१) उपन्यास की परिभाषा, स्वरुप तथा उपन्यास के तत्व।

२) हिंदी उपन्यास का विकासक्रम — प्रेंमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद युगीन उपन्यास, प्रेंमचंदोत्तर उपन्यास।

३) हिंदी उपन्यासों की प्रवृतियॉ — सामाजिक, राजनीतिक, आंचलिक, तिलस्मी, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक उपन्यास आदि का अध्ययन।

४) उपन्यासों में कलापक्ष एवं भाव पक्ष का महत्व।

५) उपन्यास की विविध शैलियों का अध्ययन, वर्णनात्मक, आत्मकथात्मक, चेतना प्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, डायरी आदि।

६) चित्ररेखा, गोदान, मैला आंचल, ऑगन में एक वृक्ष उपन्यासों का भावपक्ष तथ कलापक्ष।

७) चित्ररेखा, गोदान, मैला ऑचल, ऑगन में एक वृक्ष उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण।

८) चित्ररेखा, गोदान, मैला ऑचल, ऑगन में एक वृक्ष उपन्यासों का विशेष अध्ययन (संदर्भ सहित व्याख्या के संदर्भ में)

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाऍ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों में से व्याख्या हेतु छः गद्यांस दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) हिंदी का गद्य साहित्य — रामचंद्र तिवारी

२) हिदी गद्य मीमांशा — रमाकांत त्रिपाठी

३) हिंदी का गद्य इतिहास — रामचंद्र तिवारी

४) प्रताप नारायण ग्रंथावली — विजय शंकर मल्ल

५) हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कर्तत्व — रामचंद्र शुक्ल

६) भारतेदु युग — डॉ. राम विलाश शर्मा

७) हिंदी की गद्य विधाएॅ — रामचंद्र तिवारी

८) हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. नगेद्र

९) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह

१०) प्रेंमचंद और उनका युग — डॉ. रामविलास शर्मा

११) हिंदी उपन्यास : समकालीन विमर्श — सत्यदेव त्रिपाठी

१२) नये उपन्यासों में नये प्रयोग — दंगल झाल्टे

१३) हिंदी उपन्यास — बदलते परिवेश — सुदेश बत्रा

एम. ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्न पत्र (४) क (वैकल्पिक)
व्यावाहारिक हिंदी पत्रकारिता और अनुवाद

उद्देश्य :—

१) छात्रों को हिंदी भाषा की प्रमुख प्रयुक्तियों और प्रयोजनमूलक शैलियों का परिचय देना।

२) छात्रों को हिंदी कें कम्प्युटर के प्रयोग विधि से अवगत कराना।

३) छात्रों को पत्राचार के विविध प्रकारों की जानकारी कराना।

४) छात्रों में अन्य भाषा से हिंदी भाषा में अनुवाद की क्षमता को विकसित कराना।

५) छात्रों को हिंदी पत्रकारिता से परिचित कराकर पत्रकरिता के व्यावहारिक ज्ञान को आत्मसात कराना।

६) छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबध्दता की भावना विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।

३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।

४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।

५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड (क)

१. हिंदी पत्रकारिता

— हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास
— पत्रकारिता : स्वरुप एवं विभिन्न प्रकार
— समाचार लेखन कला (दूरदर्शन, रेडिओं, समाचार पत्र के संदर्भ में)
— संपादन के आधारभूत तत्व एवं व्यावहारिक प्रूफ शोधन
— शीर्षक की संरचना, लीड, इन्ट्रो एवं शीषर्क संपादन
— संपादकीय लेखन / पृष्ठ सज्जा
— साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रवंघन
— प्रेस कानून एवं आचार संहिता

खण्ड (ख)

२. जनसंचार और मीडिया लेखन :

— जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियॉ
— विभिन्न संचार माध्यमों का स्वरुप — मुद्रण, श्रव्य, दृश्यश्रव्य, इंटरनेट
— दृश्य—श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिवीजन एवं विडिओ)
— दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों का सामांस्य पटकथा लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रुपांतर, विज्ञापन की भाषा
— इंटरनेट : सामग्री सृजन

खण्ड (ग)

३. हिंदी कंप्युटिंग :

— कंम्प्युटर : परिचय एवं रुपरेखा
— इंटरनेट संर्पक उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रखरखाव
— वेब पब्लिशिंग / इंटर एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप
— लिंक, ब्राऊजिंग, ई — मेल भेजना / प्राप्त करना, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाऊनलोडिंग व अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेअर, पॅकेज।

खण्ड (घ)

४. अनुवाद

— अनुवाद का स्वरुप
— अनुवाद का अर्थ
— अनुवाद का महत्व
— अनुवाद का क्षेत्र

— अनुवाद के प्रकार
— अनुवाद की प्रविधि
— व्यवहार में अनुवाद

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क',** एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20
२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'ग',** एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20
३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20
४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पॉचो के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10
५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10
६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम — वेदप्रताप वैदिक
२) पत्रकारिता में अनुवाद — रामशरण जोशी
३) पटकथा लेखन — एक परिचय — मनोहर श्याम जोशी
४) पत्रिका संपादन कला — रामचंद्र तिवारी
५) हिंदी विज्ञापन की भाषा — आशा पाण्डेय
६) समाचार संकलन एवं लेखन — नंदकिशोर त्रिखा
७) इलेक्ट्रानिक मिडिया लेखन — रमेश जैन

८) फीचर लेखन — स्वरुप और शिल्प — मनोहर प्रभाकर
९) जनसंचार माध्यमों में हिंदी — चंद्र कुमार
१०) प्रयोजनमूलक हिंदी — रविंद्रनाथ श्रीवास्तव

एम. ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्न पत्र (४) ख (वैकल्पिक)
प्रयोजनमूलक हिंदी

उद्देश्य :—

१) छात्रों को हिंदी के प्रयोजनमूलक पक्ष का परिचय कराना।
२) हिंदी की प्रयुक्तियों का परिचय।
३) कार्यालयीन भाषा के रुप में हिंदी की उपयोगिता।
४) जनसंचार के विविध रुपों का परिचय।
५) सूचना तकनीकि में विविध रुपों का परिचय।
६) हिंदी में कंम्प्युटर के विविध प्रयोग से अवगत कराना।
७) छात्रों मे राष्ट्र के प्रति प्रेंम एवं सामाजिक प्रतिबध्दता की भावना विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।
४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वियन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।
५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड (क)

१) प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा, स्वरुप एवं प्रयुक्तियॉ
    राजभाषा हिंदी : संवैधानिक प्रावधान

	कार्यालयीन हिंदी	:	टिप्पण, प्रारुपण, संक्षेपण, पत्र लेखन
	पारिभाषिक शब्दावली	:	स्वरुप एवं सिध्दान्त
खण्ड (घ)	२) मीडिया लेखन		
	जनसंचार माध्यम	:	परिचय एवं महत्व।
	प्रिंट मीडिया	:	समाचार लेखन संपादन, संपादकीय लेखन, पृष्ठसज्जा।
खण्ड (ग)	३) श्रव्य माध्यम	:	स्वरुप एवं महत्व, रेडियों समाचार लेखन, फीचर, उद्घोषणा।
	दृश्य – श्रव्यमाध्यम	:	स्वरुप एवं महत्व, पटकथा लेखन, पार्श्ववाचन, डाक्यु ड्रामा।
खण्ड (घ)	४) कम्प्युटर,इंटरनेट और हिंदी		
	कम्प्युटर	:	परिचय एवं उपयोग
	इंटरनेट	:	परिचय, हिंदी सॉफ्टवेअर, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :–

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क',** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

२. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ख', '** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

३. **प्रश्न क्रमांक तीन खण्ड 'ग', '** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगी। प्रश्न के लिए १५ अंक निर्धारित है। 15

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में संपूर्ण **पाठ्यक्रम** से सात प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमें से पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 5 x 3 = 15

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** ‘अ’ तथा ‘ब’ दो भागों में विभक्त किया गया हैं।

(अ) ‘अ’ विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

(ब) ‘ब’ विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

६.अंतर्गत मूल्यांकन 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिध्दांत और प्रयोग — दंगल झाल्टे
२) प्रयोजनमूलक हिन्दी — डॉ. विनोद गोदरे
३) प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरुप — प्रो. राधे मोहन शर्मा
४) प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना और प्रयोग — डॉ. माधव सोनटक्के
५) राज्यभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदालेन का इतिहास — डॉ. उदयनारायण दुबे
६) पारिभाषिक शब्द संग्रह — (प्र.)केंद्रीय हिन्दी निदेशालय
७) पारिभाषिक अधिनियम (१९६२ — १९६७)— —
८) राजभाषा हिन्दी — डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
९) वृहद पारिभाषिक शब्द संग्रह — वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग
१०) मानक हिन्दी का शुध्दिपकर व्याकरण — डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा
११) व्यावहारिक पत्र — लेखन — डॉ. के. पी. शहा
१२) प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण — प्रो. विराज एम. ए.
१३) समाचार पत्र व्यवस्थापन — अनंत गोपाल शेवडे
१४) हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम — डॉ. वेदप्रताप वैदिक
१५) अनुवाद विज्ञान : सिध्दांत और अनुप्रयोग — डॉ. नगेंद्र
१६) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान — डॉ. सराफ गोस्वामी, विकास
१७) मिडिया लेखन — सुमित मोहन
१८) काम्प्यूटर : क्या? क्यों? कैसे? — वरुण कुमार शर्मा
१९) मिडिया लेखन — सिध्दांत और प्रयोग — मुकेश मानस
२०) भारत में संचार और जनसंचार — डॉ. जे. वी. विलानिलम अनु. डॉ. शशिकांत शुक्ला

२१)	समाचार पत्र — कला	—	पं. अंबिकाप्रसाद वाजपेयी
२२)	समाचार संकलन और लेखन	—	डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
२३)	कम्प्यूटर संकलन और लेखन	—	सं. सतोष चौबे
२४)	कम्प्यूटर के सिध्दांत तथा प्रोगाम	—	डॉ. जोखन सिंह
२५)	इंटरनेट	—	शशि शुक्ला
२६)	प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम	—	डॉ. मनोज पाण्डेय

एम. ए. (हिंदी) प्रथम सत्र
प्रश्न पत्र ४ : ग — वैकल्पिक
हिंदी साहित्य की अन्य गद्य विधाएँ

उद्देश्य :—

१) साहित्य की नितांत वैयक्तिक विधाओं का परिचय।

२) साहित्यिक विधाओं में एकांकी, रिर्पोताज, संस्मरण, यात्रावर्णन, व्यंग्यलेख, कहानी और निबंध का महत्व बोध।

३) हिंदी की विविध विधा का परिचय।

४) निबध गद्य की कसौटी क्यों है इसका बोध।

५) हिंदी की विवेच्च गद्य विधाओं में वैयक्तिक स्पर्श।

६) हिंदी साहित्य विधा की सर्जक, समीक्ष, अनुवाद और शोध की दृष्टि से छात्रों को परिचय कराना।

७) हिंदी यात्रा साहित्य में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।

८) हिंदी यात्रा साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।

३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग।

४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।

५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :—

खण्ड (क)	सुनसान के सहचर (यात्रावर्णन) — श्रीराम शर्मा आचार्य प्रकाशक युग

निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट, मथुरा

खण्ड (ख) — सुनसान के सहचर (यात्रावर्णन) — श्रीराम शर्मा आचार्य प्रकाशक युग निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट, मथुरा

खण्ड (ग)

१) मकडी का जाला (एकांकी) — जगदीश चंद्र माथुर
२) रवीद्रनाथ ठाकुर (संस्मरण) — महादेवी वर्मा
३) नाम चर्चा (व्यंग्य लेख) — नरेन्द्र कोहली
४) उमस (कहानी) — ममता कालिया

खण्ड (घ)

१)रात का रहस्य (एकांकी) — डॉ. रामकुमार वर्मा
२) जिन्दगी और गुलाब के फूल (कहानी) — ऊषा प्रियंवदा
३) सुव्यवस्था और सुनियोजन (निबंध) — श्रीराम शर्मा आचार्य
४) सरहद के उस पार (रिर्पोताज) — विष्णु प्रभाकर

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. निर्धारित पाठ्य विषय के चार खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ' होंगे।
२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क',** एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20
३. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ग',** एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20
४. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20
५. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

६. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

७. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	यात्रा साहित्य	—	पं. माधव प्रसाद मिश्र
२)	यात्रा साहित्य	—	डॉ. भगवत शरण उपाधाय
३)	व्यवस्था बुध्दि की गरिमा	—	श्रीराम शर्मा आचार्य
४)	मेरी विश्व यात्राओं	—	डॉ. श्याम सिंह शशि
५)	कुछ रंग कुछ गंध	—	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
६)	प्रबंध व्यवस्था एक विभुति — एक कौशल	—	श्रीराम शर्मा आचार्य
७)	घुमक्कड शास्त्र	—	राहुल सांकृत्यायन
८)	हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरुप और विकास	—	डॉ. मुराली लाल शर्मा

एम.ए. हिंदी द्वितीय सत्र
प्रश्न पत्र ५ : कोर कोस
हिंदी साहित्य का इतिहास
(रीतिकाल से आधुनिक काल)
(१७०० से लेकर अब तक)

उद्देश्य :

१) हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा का बोध।
२) हिंदी गद्य के आर्विभाव एवं विविध विधाओं की जानकारी।
३) साहित्येतिहास का प्रवृत्तिगत अध्ययन।
४) रीतिकालीन एवं आधुनिककालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि साहित्यकारों की साहित्यिक विधाओं से परिचित कराना।
५) छायावादी युग और प्रमुख साहित्यकारों की रचनाओं से अवगत कराना।
६) हिंदी साहित्य के इतिहास की प्रमुख गद्य विधाओं से परिचित कराना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) परिचर्चा।
५) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :—

खण्ड (क)

१) रीतिकाल:

— रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल) की ऐतिहासिक पृष्टिभूमि, कालनिधारण एवं नामकरण।

— दरबारी संस्कृति, लक्षण ग्रंथों की परंपरा एवं विकास।

— रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबध्द, रीतिसिध्द, और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार, उनकी रचनाएँ एवं विशेषताएँ।

खण्ड (ख)

२) आधुनिक काल :

— आधुनिक काल की पृष्ठिभूमि एवं विशेषताएँ।

— भारतेन्दु युग एवं द्विवेदी युग — प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ, प्रवृत्तियाँ।

— छायावादी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

खण्ड (ग)

३) आधुनिककाल : वाद एवं प्रवृत्तियाँ

— प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, नवगीत, समकालीन कविता

— प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ एवं विशेषताएँ।

खण्ड (घ)

४) प्रमुख गद्य विधाएँ —

— उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा।

— रिर्पोताज — परिचय एवं विकास, हिंदी आलोचना का उद्‌भव एवं विकास।

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. निर्धारित पाठ्य विषय के चार खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ' होंगे।

२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क',** एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ग',** एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

५. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

६. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

७. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य	—	सम्पादक पुन्नीसिंह, कमलाप्रसाद राजेन्द्र शर्मा
२)	हिंदी साहित्य का सरल इतिहास	—	विश्वनाथ त्रिपाठी
३)	भाषा साहित्य और संस्कृति	—	विमलेश कान्ति वर्मा, मालती
४)	आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श	—	देवेन्द्र चौबे
५)	समकालीन भारतीय साहित्य	—	साहित्य अकादमी पत्रिका
६)	दलित आत्मकथाएं अनुभव से चिंतन	—	सुभाषचंद्र
७)	हिंदी साहित्य का इतिहास	—	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
८)	हिंदी साहित्य का आदिकाल	—	हजारी प्रसाद द्विवेदी
९)	हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	—	डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
१०)	हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	—	डॉ. रामविलास शर्मा
११)	हिंदी रीति साहित्य	—	डॉ. भगीरथ मिश्र
१२)	हिंदी साहित्य का इतिहास	—	डॉ. माधव सोनटक्के
१३)	आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका	—	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
१४)	हिंदी साहित्य का इतिहास	—	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
१५)	हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास	—	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
१६)	हिन्दी साहित्य की भूमिका	—	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
१७)	हिंदी साहित्य का इतिहास	—	डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

१८) भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ — डॉ. रामविलास शर्मा
१९) भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ — डॉ. रामविलास शर्मा
२०) महावीरप्रसाद द्विवेदी और नवजागरण — डॉ. रामविलास शर्मा
२१) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह
२२) साहित्य और इतिहास दृष्टि — डॉ. मैनेजर पाण्डेय
२३) हिन्दी साहित्य और संवेदना — रामस्वरुप चतुर्वेदी
२४) साठोत्तरी हिन्दी कविता : परिवर्तित दिशाएँ — विजय कुमार
२५) समकालीन कविता और कुलीनतावाद — अजय तिवारी
२६) नई कविता का आत्मसंघर्ष — ग. मा. मुक्तिबोध
२७) नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र — ग. मा. मुक्तिबोध

एम. ए. हिंदी द्वितीय सत्र
प्रश्न पत्र ६ : कोर कोर्स
काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन
(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

उद्देश्य :

१) छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
२) छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकास क्रम का परिचय देना।
३) छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्वातों का ज्ञान कराना।
४) छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र समीक्षा के महत्व से अवगत कराना।
५) छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्वातों में साम्य — वैसम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
६) छात्रों को नई समीक्षा के सिद्वातों का ज्ञान कराना।
७) आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परियच देना।
८) साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के द्वारा छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
४) विशेषज्ञों के व्याख्यान।
५) पी. पी. टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड (क)	१)	प्लेटो : काव्य सिध्दान्त अरस्तू : अनुकरण सिध्दान्त, विरेचन सिध्दान्त लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा
खण्ड (ख)	२)	टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ समीकरण, निवैयिक्ता का सिध्दान्त आय.ए.रिचईस : मूल्य सिध्दान्त, संप्रेषण सिध्दान्त, व्यावहारिक समीक्षा
खण्ड (ग)	३)	विलियम वर्डस्वर्य : काव्य भाषा का सिध्दान्त कालरीज : कल्पना सिध्दान्त और ललित कल्पना (फैन्टसी) ड्राइडन : ड्राइडन के काव्य सिध्दान्त
खण्ड (घ)	४)	विविधवाद तथा आलोचना की प्रणालियाॅ : आलोचना की विभिन्न प्रणालियाॅ : सैध्दांत्तिक, मनोवैज्ञानिक, मार्क्सवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक तथा सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाऍं :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड ‘क’,** एवं **खण्ड ‘ख’** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड ‘ग’,** एवं **खण्ड ‘घ’** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पाॅच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पाॅच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पाॅच के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पाॅच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	रस मीमांसा	—	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
२)	भारतीय काव्य शास्त्र	—	डॉ. सत्यदेव चौधरी
३)	साहित्यलोचन	—	डॉ. श्याम सुंदरदास
४)	ध्वनि सिध्दांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य	—	डॉ. रॉय
५)	आलोचना और आलोचना	—	डॉ. बच्चन
६)	रस सिध्दांत स्वरुप और विश्लेषण	—	डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
७)	हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ	—	डॉ.रामेश्वरलाला खंडेलवाल
८)	रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	—	डॉ. रामविलास शर्मा
९)	काव्य तत्व विमर्श	—	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
१०)	समीक्षा शास्त्र के सिध्दांत	—	डा. श्यामसुंदर दास
११)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन	—	डॉ. बच्चन सिंह
१२)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन	—	डॉ. सत्यदेव चौधरी एवं डॉ. शान्तिस्वरुप गुप्त
१३)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	डॉ. भगीरथ मिश्र
१४)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
१५)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	डॉ. निर्मला जैन
१६)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिध्दान्त	—	डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज
१७)	भारतीय काव्य शास्त्र	—	डॉ. विजयपाल सिंह
१८)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	—	डॉ. विजयपाल सिंह
१९)	संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्य शास्त्र	—	गोपीचंद नारंग
२०)	हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	—	डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय लोकभारतीय प्रकाशन
२१)	काव्य के रुप	—	गुलाबराय
२२)	भारतीय काव्य शास्त्र की परंपरी	—	डॉ. नगेन्द्र
२३)	काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन	—	डॉ. शैलेद्र कुमार शुक्ल

एम.ए.(हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्न पत्र : ७ क — वैकल्पिक
आधुनिक हिन्दी काव्य

उद्देश्य :

१) विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
२) विद्यार्थियों को आधुनिककाल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरुप की जानकारी देना।
३) आधुनिक युग में इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम का परिचय देना।
४) विद्यार्थियों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरुप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।
५) द्रुतवाचन के अंतर्गत विद्यार्थियों को कवियों की काव्यगत विशेषताओं, रचनाओं के लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन कराना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) द्रक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विध्दानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड (क)	१)	जयशंकर प्रसाद	:	कामायनी (इडा सर्ग)
	२)	सुमित्रानंदन पंत	:	प्रथमरश्मि
खण्ड (ख)	१)	गजानन माधव मुक्तिबोध	:	चांद का मुॅह टेढा है।

२) सच्चिदानंद हीरानंद
वात्स्यायन 'अज्ञेय' : नदी के द्वीप।

खण्ड (ग)
१) राष्ट्रसंत तुकडो महाराज : ग्रामगीता (श्रम संपत्ति)
२) ओमप्रकाश वाल्मिकी : कोई खतरा नहीं।

खण्ड (घ)
१) द्रुतवाचन : १) इकबाल २) नार्गाजुन
३) महीपसिंग ४) त्रिलोचन
५) सुभद्राकुमारी चौहान
६) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :–

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु छः काव्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न के उत्तर अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंतर्गत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	अज्ञेय का काव्य — एक मूल्यांकन	—	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
२)	अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या	—	रामस्वरुप चतुर्वेदी
३)	आधुनिक कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ	—	डॉ. नगेन्द्र
४)	मुक्तिबोध ज्ञान और संवदेना	—	नंदकिशोर नवल
५)	मुक्तिबोध की काव्य चेतना और मूल्य संकल्प	—	डॉ. हुकूमचंद राजपाल
६)	प्रसाद का काव्य	—	डॉ. प्रेमशंकर
७)	कवि प्रसाद की काव्य साधना	—	रामनाथ सुमन
८)	निराला की साहित्य साधना	—	रामविलास शर्मा
९)	निराला काव्य में मानवीय चेतना	—	डॉ. रमेशदत्त मिश्र
१०)	क्रान्तिकारी कवि	—	निराला
११)	ग्रामगीता (हिन्दी) अनुवादक	—	प्रा. रघुनाथ कडवे — संस्कार प्रकाशन, नागपुर
१२)	निराला और मुक्तिबोध	—	नंदकिशोर नवल
१३)	कामायनी : एक पुनर्विचार	—	ग. मा. मुक्तिबोध
१४)	कामायनी : इतिहास और रुपक	—	सुशीला भारती
१५)	मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब	—	चंचल चौहान
१६)	कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	—	डॉ. नगेद्र

एम.ए.हिंदी द्वितीय सत्र
प्रश्न पत्र : ७ ख — वैकल्पिक
आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (कहानी)

उद्देश्य :

१. छात्रों को कहानी विधा का तात्विक परिचय देना।
२. हिंदी विधा के विकास की जानकारी देना।
३. हिंदी कहानी की विभिन्न प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।
४. हिंदी कहानी में अभिव्यक्त जीवन विषय दृष्टिकोण का मूल्यांकन करना।
५. कहानी विधा का अन्य विधाओं के साथ तुलनात्मक परिचय देना।
६. हिंदी कहानी में अभिव्यक्त मानवी जीवन का परिचय देना।
७. छात्रों में कहानी साहित्य का आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्यांकान की क्षमता वढाना।
८. कहानी विधा की ओर सर्जक, समीक्षा, अनुवाद और शोध की दृष्टि से छात्रों को प्रेरित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य साधनों / माध्यमों का प्रयोग।
४) विशेषज्ञों के व्याख्यान।
५) पी. पी. टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
६) अध्ययन यात्रा का आयोजन करना।

अध्ययन के लिए कहानी / पाठ्यक्रम :

खण्ड (क) { १) फणिश्वरनाथ रेणू — १) संवदिया २) पंचलाइट

२) मन्नू भंडारी — १) दो कलाकार २) दीवार, बच्चे और वस्तरा

खण्ड (ख)
- १) विष्णु प्रभाकर— १) आपरेशन २) मै नारी हूँ
- २) उषा प्रियंवदा — १) वापसी
- ३) जैनेद्र — १) पाजेब

खण्ड (ग)
- १) राजेंद्र यादव — १) त्याग और मुस्कान २) साइकिल
- २) मृदुला गर्ग — १) बंजर २) ग्लेशियर में

खण्ड (घ)
- १) जयशंकर प्रसाद — १) व्रतभंग २) पुरस्कार
- २) मालती जोशी — १) ढाई आखर प्रेम का
- ३) ममता कालिया — १) उमस

अध्ययनार्थ विषय / पाठ्यक्रम

१) कहानी की परिभाषा, स्वरुप तथा कहानी के तत्व।

२) हिंदी कहानी का विकासक्रम — प्रेंमचंद पूर्व कहानी, प्रेमचंद युगीन कहानी, प्रेंमचंदोत्तर कहानी

३) हिंदी कहानी की प्रवृतियॉ — सामाजिक, राजनीतिक, आंचलिक, तिलस्मी, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, जीवनीपरक कहानी आदि का अध्ययन।

४) कहानी में कलापक्ष एवं भाव पक्ष का महत्व।

५) कहानी की विविध शैलियों का अध्ययन, वर्णनात्मक, आत्मकथात्मक, चेतना प्रवाही, संवादात्मक, पत्रात्मक, डायरी आदि।

६) कहानी का भावपक्ष तथ कलापक्ष।

७) कहानी के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण।

८) कहानी का विशेष अध्ययन (संदर्भ सहित व्याख्या के संदर्भ में)

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएॅ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत खण्ड ‘क’, ‘ख’, ‘ग’, ‘घ’,** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कहानियों में से व्याख्या हेतु छः गद्यांस दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत खण्ड ‘क’, ‘ख’, ‘ग’, ‘घ’,** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कहानियों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1= 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	हिंदी कहानी के सौ वर्ष	—	वेदप्रकाश अमिताभ
२)	नही कहानी की भूमिका	—	कमलेश्वर
३)	प्रेमचंद और उनका युग	—	डॉ. रामविलास शर्मा
४)	कहानी प्रवृत्ति और विश्लेषण	—	सुरेंन्द्र उपाध्याय
५)	समकालीन कहानी की पहचान	—	नरेंद्र मोहन
६)	हिंदी कहानी पहचान और परख	—	इंद्रनाथ मदान
७)	नहीं कहानी का स्वरुप विवेचन	—	डॉ. इंदु रश्मि
८)	समकालीन हिंदी कहानी	—	डॉ. पुष्पपाल सिंह
९)	हिमांशु जोशी का कथा साहित्य	—	डॉ. अनिल साळुंखे
१०)	आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य	—	डॉ. राजेंद्र खैरनार
११)	भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन	—	डॉ. सुरेश बाबर
१२)	नयी कहानी : संदभ और प्रकृति	—	देवीशंकर अवस्थी
१३)	नयी कहानी के विविध प्रयोग	—	शशिभूषण पाण्डेय शीतांषु

एम. ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्न पत्र : ८ क — वैकल्पिक
अनुसंधान प्रक्रिया और प्रविधि

उद्देश्य :

१) अनुसंधान की समझ।
२) हिंदी अनुसंधान की प्रक्रिया का बोध।
३) शोधपत्र एवं शोध प्रबंध लेखन की समझ विकसित करना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक भाव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड (क)	१) अनुसंधान	:	अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
	रुपरेखा निर्माण के विविध पक्ष	:	प्रस्तावना, शोध का औचित्य, कार्य विभाजन, उपकल्पना
खण्ड (ख)	२) अनुसंधान के तत्व	:	शोध के सोपान
खण्ड (ग)	३) अनुसंधान एवं आलोचना में साम्य, वैषम्य, शोध लेखन की आवश्यकता एवं मौलिकता।		

खण्ड (घ)	४) शोध लेखन की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ। शोध पत्र एवं शोध ग्रंथो में प्रयुक्त विश्लेषणात्मक भाषा।

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क',** एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'ग',** एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पॉच के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंतर्गत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र — राजमल बोरा

२)	अनुसंधान का स्वरुप	—	डॉ. सावित्री सिन्हा
३)	हिंदी अनुसंधान	—	उदयभानु सिंह
४)	अनुसंधान के मूलतत्व	—	विश्वनाथ प्रसाद
५)	शोध प्रबंध	—	विजय मोहन वर्मा
६)	साहित्यिक अनुसंधान के आयाम	—	डॉ. रविद्र कुमार जैन
७)	शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका	—	डॉ. सरनाम सिंह
८)	अनुसंधान और आलोचना	—	डॉ. नगेंद्र

एम. ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्न पत्र ८ : ख — वैकल्पिक
हिंदी दलित विमर्श और साहित्य

उद्देश्य :

१) विद्यार्थियों को दलित विमर्श एवं साहित्य का परिचय कराना।
२) विद्यार्थियों को दलित साहित्य की वैचारिक पृष्ठिभूमि से परिचित कराना।
३) विद्यार्थियों को दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्र से परिचित कराना।
४) विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य में दलित साहित्य के योगदान से परिचित कराना।
५) समीक्षा, अनुवाद एवं शोध की दृष्टि से छात्रों को दलित साहित्य की ओर प्रेरित करना।
६) साहित्य के नये स्वर का बोध।
७) उपेक्षित, बहिष्कृत समाज की कार्यवाही से परिचय।
८) दलित आत्मवृत्त के बहाने सामाजिक विसंगतियों की जानकारी।
९) दलित चिंतन के सौंर्दयबोध और कलापक्ष का विवेचन।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
५) परिचर्चा।
६) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

दलित साहित्य तथा दलित विमर्श की व्याख्या

खण्ड (क)	१)	दलित विमर्श	:	अवधारणा और स्वरुप
		दलित साहित्य	:	परंपरा और विकास
		दलित साहित्य	:	प्रेरणास्त्रोत और प्रभाव : कबीर, संत रैदास, ज्योतिबा फुले, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर।
खण्ड (ख)	२)	दलित साहित्य	:	आम्बेडकर वादी दर्शन
				दलित साहित्य का कला पक्ष
				दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र
				दलित साहित्य में अर्थव्यक्त भारतीय समाज
खण्ड (ग)	३)	दलित आत्मकथाएँ		
		जूठन	—	ओमप्रकाश वाल्मिकी
		दोहरा अभिशाप	—	कौशल्या वैसंत्री
खण्ड (घ)	४)	दलित कहानियाँ		
		घुसपैठिए	—	ओमप्रकाश वाल्मिकी
		अपना गांव	—	मोहनदास नेमिशराय
		साजिश	—	सूरज पाल चौहान

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क',** एवं **खण्ड 'ख'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'ग',** एवं **खण्ड 'घ'** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है।5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच **अति लघुत्तरी** प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पॉच के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10

६. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१)	भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य	—	पुन्नीसिंह कमलाप्रसाद
२)	भारतीय साहित्य मे दलित व स्त्री	—	चमनलाल
३)	चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य	—	श्यौराजसिंह वेचैन
४)	दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र	—	ओमप्रकाश वाल्मीकी
५)	दलित साहित्य की भूमिका	—	कमला भारती
६)	दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	—	शरणकुमार लिंवाले
७)	अस्पृश्यता एवं दलित चेतना	—	रमणिका गुप्ता
८)	हिंदी साहित्य मे दलित चेतना	—	भरत सगरे
९)	दलित चेतना और हिंदी उपन्यास	—	डॉ. एन.एस. परमार
१०)	दलित साहित्य की भूमिका	—	हरपाल सिंह अरुष
११)	हरिजन से दलित	—	संपा राजकिशोर
१२)	भारतीय दलित आंदोलन की रुपरेखा	—	केवल चंचरिक
१३)	हिंदी दलित आत्मकंथा	—	डॉ. संजय नाईक
१४)	दलित साहित्य का समाजशास्त्र	—	हरिनारायण ठाकुर
१५)	दलित साहित्य अनुसंधान के आयाम	—	डॉ. भरत सगरे

एम. ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र
प्रश्न पत्र ८ : ग — वैकल्पिक
हिंदी साहित्य गद्य विधाएँ
(स्थानिय साहित्य)

उद्देश्य :

१) साहित्य के नये स्वर का बोध।

२) उपेक्षित, बहिष्कृत समाज की अभिव्यक्ति से परिचय।

३) दलित आत्मवृत्त के बहाने सामाजिक विसंगतियों की जानकारी।

४) दलित चिंतन के सौंदर्यबोध और कला पक्ष की विवेचना।

५) लोक साहित्य के स्वरुप तथा उसके अध्ययन के महत्व से परिचित कराना।

६) महाराष्ट्र के लोक साहित्य से परिचित कराना।

७) स्थानीय साहित्य का महत्व समझाकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरित करना।

८) स्थानीय साहित्य की विविध विधाओं की जानकारी देना तथा लोकजीवन में उसकी व्यापकता समझाना।

अध्यापन पध्दति :—

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।

३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।

४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

५) परिचर्चा।

६) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

खण्ड (क)	नाटक — घासीराम कोतवाल — विजय तेंदुलकर
खण्ड (ख)	कविता — उत्थान गुफा— यशवंत मनोहर
खण्ड (ग)	उपन्यास — मृत्युंजय — शिवाजी सावंत
खण्ड (घ)	आत्मकथा — छोरा कोल्हाटी का — डॉ. किशोर शांताबाई काळे

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे **कुल अंक :** 80+20

सूचनाएँ :—

१. निर्धारित पाठ्य विषय के चार खण्ड ‘क’, ‘ख’, ‘ग’, ‘घ’ होंगे।

२. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड ‘क’,** एवं **खण्ड ‘ख’** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

३. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड ‘ग’,** एवं **खण्ड ‘घ’** से दो — दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक तीन** में सात **लघुत्तरी प्रश्न** पूछें जाएंगे। जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20

५. **प्रश्न क्रमांक चार** में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10

६. **प्रश्न क्रमांक पॉच** में दस **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 10 x 1 = 10

७. **अंर्तगत मूल्यांकन** 20 **अंक**

—: संदर्भ ग्रंथ :—

१) भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य — संपा. पुन्नीसिंह कमलाप्रसाद

२) भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री — चमनलाल
३) चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य — श्यौराज सिंह बेचैन
४) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र — ओम प्रकाश वाल्मिकी
५) दलित साहित्य की भूमिका — कमला भारती
६) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र — शरण कुमार लिंवाले